Literacy for a Billion

Movie: Fiza
Year: 2000

Song: Tu Hawa Hai Fiza Hai
Lyricist: Gulzar

फ़िज़ा फ़िज़ा
फ़िज़ा हे फ़िज़ा
तू हवा है फ़िज़ा है
ज़मीं की नहीं
तू घटा है तो फिर क्यों
बरसती नहीं
उड़ती रहती है तू
पँछियों की तरह
आ मेरे आशियाने में आ
मैं हवा हूँ
कहीं भी ठहरती नहीं
रुक भी जाऊँ
कहीं पर तो रहती नहीं
मैंने तिनके उठाए
हुए हैं परों पर
आशियाना नहीं है मेरा

घने एक पेड़ से मुझे
झोंका कोई लेके आया है
सूखे इक पत्ते की तरह
हवा ने हर तरफ़
उड़ाया है
आ ना आ
हे आ ना आ
इक दफ़ा

इस ज़मीन से उठें
पाँव रखे हवा पर
ज़रा सा उड़ें
चल चलें हम जहाँ
कोई रस्ता ना हो
कोई रहता ना हो
कोई बसता ना हो
कहते हैं आँखों में
मिलती है ऐसी जगह
फ़िज़ा फ़िज़ा

तू हवा है फ़िज़ा है
ज़मीं की नहीं
तू घटा है तो फिर क्यों
बरसती नहीं
उड़ती रहती है तू
पँछियों की तरह
आ मेरे आशियाने में आ
मैं हवा हूँ
कहीं भी ठहरती नहीं
रुक भी जाऊँ
कहीं पर तो रहती नहीं
मैंने तिनके उठाए
हुए हैं परों पर
आशियाना नहीं है मेरा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.